हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 14 जनवरी 2024

11 बिना लाइसेंस चल रहे इमीग्रेशन सेंटर ...

12 लोकसभा व विधानसभा चुनावों में रिकार्ड जीत...

खबर संक्षेप

15 से शुरू होगा डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण कोर्स

फतेहाबाद। एसबीआई के तत्वावधान में पंचायत भवन में संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों के लिए दस दिवसीय डेयरी फार्मिंग एंड वर्मी कम्पोस्ट का प्रशिक्षण कोर्स 15 जनवरी से शुरू होगा। यह जानकारी संस्थान के निदेशक उम्मेद सिंह ने दी।

रविवार को प्रभातफेरियों का होगा समापन

रतिया। दसवें पातशाह साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के प्रकाशोत्सव के मौके पर प्रभातफेरी सेवा सोसायटी द्वारा निकाली जा रही प्रभातफेरियों का समापन समारोह 14 जनवरी को पुराना बाजार स्थित गुरूद्वारा साहिब में पुराना बाजार में होगा। यह जानकारी सेवादार हैप्पी सिंह सेठी एवं जगजीत सिंह ने दी। बताया कि प्रकाशोत्सव मौके पिछले कई दिनों से प्रभातफेरियां निकाली जा रही थी जिनका रविवार को प्रभात समय समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

श्री कृष्ण गोशाला की वार्षिक मीटिंग आज

रतिया। श्री कृष्ण गोशाला रतिया की वार्षिक मीटिंग 14 जनवरी रविवार को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सुबह 10 बजे शिव मंदिर अनाज मंडी में रखी गई है। श्री कृष्ण गोशाला कमेटी के प्रधान कृष्ण जिंदल ने बताया कि श्री कृष्ण गोशाला रतिया की वार्षिक मीटिंग हर साल की तरह इस साल भी 14 जनवरी को अनाज मंडी स्थित शिव मंदिर में रखी गई है जिसमें कमेटी द्वारा श्री कृष्ण गौशाला का वार्षिक लेखा-जोखा पेश किया जाएगा।

मां की रसोई रतिया में लंगर सेवा आयोजित

रतिया। लायंस क्लब इंटरनेशनल 13 जनवरी से 19 जनवरी तक फूड वीक मना रहा है। वरिष्ठ सदस्य एडवोकेट अमीर तनेजा ने बताया कि शनिवार को मां की रसोई कम्युनिटी सेंटर रतिया में अपनी माता मालन देवी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य पर लंगर सेवा का आयोजन किया गया। क्लब के अध्यक्ष प्रदीप बंसल ने बताया कि इस रसोई का मुख्य सेवादार राजू लगातार सेवा में जुटा हुआ है।

ढाणी भोजराज में दुकान में चोरी, केस दर्ज

फतेहाबाद। पुलिस को दी शिकायत में ढाणी भोजराज, सांचला निवासी राजबीर ने कहा है कि उसकी गांव में बस स्टैण्ड के सिलाई व चक्की की दुकान है। चोर उसकी दुकान से गल्ले में रखी 2 हजार की नगदी व इन्वर्टर बैटरी चोरी कर ले गए हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

चोरी की नीयत से घर में घुसा युवक, केस दर्ज

चोपटा। पुलिस को दी शिकायत में गांव जमाल निवासी जितेंद्र ने बताया कि बीती 12 जनवरी की सुबह करीब साढ़े 10 बजे एक युवक चोरी की नीयत से घर में घुस आया। जब युवक घर में घुसने लगा तो उसकी माता ने उसे रोका, जिस पर युवक ने उसकी माता को पिस्तौल दिखाया। माता के शोर मचाने के बाद आसपास के लोग मौके पर आने लगे तो युवक घबरा कर भाग खड़ा हुआ।

मॉल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। पुलिस को दी शिकायत में गांव बरसीन निवासी दीपक ने कहा है कि गत दिवस वह किसी काम से बाजार गया था। उसने अपनी मोटरसाइकिल को मॉडल टाउन में मॉल के बाहर खड़ी की थी। वह बाजार चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो देखा कि वहां से उसकी मोटरसाइकिल गायब थी। इस पर पहले उसने आसपास तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

नहरों के दोबारा बनाने पर खर्च होंगे 37 करोड़ रुपये

भाखड़ा ब्रांच की 7 नहरों का होगा पुनर्निर्माण, किसानों को होगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

दो दशकों के बाद सिंचाई विभाग जिले की भाखड़ा मुख्य ब्रांच से निकली 7 बड़ी नहरों का पुनर्निर्माण करने जा रहा है। इन नहरों कुल लंबाई 67 किलोमीटर होगी और इस पर करीब 37 करोड़ रुपये खर्च आया।

इसी सप्ताह इसके टेंडर लगा दिए जाएंगे। टेंडर जारी होते ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया जाएगा। आगामी खरीफ फसल की बिजाई तक इन नहरों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इन नहरों व माइनर की रिमॉडलिंग का यह काम नाबार्ड की योजना के तहत किया जाएगा।

पिछले कई वर्षों से रतिया ब्रांच, कमाना माइनर, दहमन लिंक चैनल, दहमन डिस्ट्रीब्यूटरी, बीघड़ डिस्ट्रीब्यूटरी व चुली-हिजरावां माइनर की आयु क्रॉस हो चुकी थी। इसके चलते यहां पानी लीकेज व पानी बर्बादी की समस्याएं सामने आ रही थी। किसानों की मांग पर प्रदेश सरकार ने फैसला लिया कि इन नहरों का पुनर्निर्माण करवाया जाए। इसी के तहत जिले की रतिया ब्रांच नहर सहित कुल 7 नहर व माइनरों को दोबारा बनाया जाएगा।

फतेहाबाद। जिले से गुजरती नहर।

67 किलोमीटर लंबाई की इन सात नहर व माइनर को दोबारा बनाने पर कुल 36.90 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रतिया ब्रांच नहर को दोबारा बनाने को टेंडर अभी प्रक्रिया में है जबकि अन्य माइनर को बनाने के टेंडर की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है तथा जल्द ही इनका निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा। इनके अलावा सालों पहले बनाई गई ढाबी माइनर व ओल्ड भट्टू ब्रांच को भी दोबारा बनाया जाएगा, इसके लिए सिंचाई विभाग इन दोनों नहरों के एस्टीमेट तैयार कर रहा है।

इन नहरों का होगा कायाकल्प

- रतिया ब्रांच : यह नहर कुदनी हैड से चिम्मो हैड तक है, इसकी लंबाई 73 हजार 200 फुट है। इस नहर को दोबारा बनाने पर साढ़े 25 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह नहर जमालपुर, धारसूल खुर्द व कलां तथा कुदनी होते हुए आगे रतिया इलाके में प्रवेश करती है।
- कमाना माइनर : 26 हजार फुट लंबाई के कमाना माइनर टेंडर हो चुका है तथा जल्द ही इसका काम शुरू होगा। इस माइनर को दोबारा बनाने में 1.61 करोड़ की लागत आएगी। यह माइनर रतनगढ़ डिस्ट्रिब्यूटरी से बादलगढ़ के पास से निकलता है। कमाना व महमड़ा गांव में इसका पानी जाता है।
- दहमन लिंक चैनल : करीब 18 हजार 100 फुट लंबाई के दहमन लिंक चैनल को दोबारा बनाने पर 1.86 करोड़ की राशि खर्च होगी। यह फतेहाबाद ब्रांच नहर की 146 नंबर बुर्जी से निकलता है, इससे गोरखपुर, सिवानी, कुलेरी आदि गांवों को पानी जाता है।
- दहमन डिस्ट्रीब्यूटरी : पौने 38 हजार फुट लंबाई की दहमन डिस्ट्रीब्यूटरी को दोबारा बनाने पर 2.13 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह नहर खैरी रोड से थोड़ा पीछे 110 हैड से निकलती है तथा इसका पानी बैजलपुर, दहमन, नहला, मौची-चौबारा व गोरखपुर आदि गांवों में जाता है।
- बीघड़ डिस्ट्रीब्यूटरी : सवा 28 हजार फुट लंबाई की बीघड़ डिस्ट्रीब्यूटरी नहर को 2.50 करोड़ की लागत से दोबारा बनाया जाएगा। इस नहर को बनाने के लिए सिंचाई विभाग ने टेंडर लगा दिए हैं। यह नहर बड़ोपल से निकलती है तथा सालमखेड़ा व बीघड़ के अलावा कुछ रकबा धांगड़ का भी कवर करती है।
- चुली-हिजरावां माइनर : सवा 22 हजार फुट लंबाई के ओल्ड चुली माइनर को 1.87 करोड़ से तथा हिजरावां माइनर जिसकी लंबाई 15 हजार 300 फुट है। इसको बनाने पर 1.43 करोड़ खर्च होंगे। चुली माइनर खेड़ी डिस्ट्रीब्यूटरी से निकलती है। हिजरावां माइनर रत्ताखेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी से निकलता है। इसका फायदा हिजरावां कलां व खुर्द के अलावा रत्ताटिब्बा व नखाटिया को भी होता है।

दोबारा बनाई जाएंगी नहरें

जिले में रतिया ब्रांच सहित 7 नहरें जो काफी पुरानी हो चुकी हैं उन्हें दोबारा बनाया जाएगा। करीब 67 किलोमीटर लंबाई की इन नहरों को बनाने पर 36.90 करोड़ रुपये खर्च होंगे। टेंडर की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जल्द ही इनका निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

-ओ पी बिश्नोई, एसई, सिंचाई विभाग

गरीब व्यक्तियों के उत्थान के लिए समर्पित हैं पीएम व सीएम : मेहता

सिरसा। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान स्टॉलों का अवलोकन करते हुए भूपेश मेहता। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

वरिष्ठ भाजपा नेता भूपेश मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहरलाल का स्वपन है कि अंतिम कतार में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। वे शनिवार को शहर के वार्ड नंबर 6, 16, 17 व 18 में पहुंची संकल्प यात्रा में बतौर मुख्यातिथि उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जनता भवन में सरकारी विभागों की विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन करते हुए उनकी तमाम जानकारी ली। इससे पूर्व भूपेश मेहता का स्वागत यात्रा की कमेटी ने पुष्प गुच्छ देकर किया। छोटी बालिकाओं ने भी उनका तिलक लगाकर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि सिरसा के विभिन्न वाडार्ें में पहुंचने वाली यह यात्रा सिरसा जिले के प्रत्येक गांव में भी पहुंची थी और पात्रों को लाभान्वित किया था। मेहता ने कहा कि इस यात्रा के दौरान लोगों को आयुष्मान योजना, उज्जवला योजना व प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के सिलसिले में तमाम जानकारी दी गई और पात्रों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सिरसा। गांव रंगड़ीखेड़ा के ईंट-भट्ठे के सामने तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली संचालक ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी, जिससे एक युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से भाग गया। गांव दूकड़ा निवासी पुनीत ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि बीती 12 जनवरी की सुबह वह अपने ताऊ के लड़के नरेश के साथ बाइक पर गांव से सिरसा जा रहा था। सुबह 9 बजे धुंध अधिक होने के कारण गांव रंगड़ीखेड़ा में स्थित ईंट-भट्ठे के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने उनके बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वे दोनों बाइक सहित सड़क पर जा गिरे। आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल में पहुंचाकर परिजनों को सूचित किया। उसके ताऊ के लड़के नरेश ने अस्पताल में जाने के बाद दम तोड़ दिया।

ऐलनाबाद पहुंचे गोभक्त करणीदान तिवारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ऐलनाबाद

श्री करणी वेलफेयर फाउंडेशन गुजरात के तत्वावधान में नोखा राजस्थान से गौ सेवार्थ, जीव सेवार्थ, पर्यावरण सेवार्थ साइकिल पर समस्त भारत भ्रमण के लिए निकले श्री करणीदान तिवारी शनिवार को ऐलनाबाद की श्री गौशाला प्रांगण में पहुंचे। श्री गौशाला पहुंचने पर ऐलनाबाद के गौभक्तों ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर गौसेवक श्री करणी धाम तिवारी ने गोसेवा को सर्वश्रेष्ठ सेवा बताते हुए कहा कि ऐलनाबाद के गौभक्तों ने जो आदर सत्कार किया है वे सदैव उसके ऋणी रहेंगे। उन्होंने सनातन धर्म में गौमाता की पूजा सर्वश्रेष्ठ बताईसमाजसेवी अंजनी लढा ने कहा कि ऐसे गौभक्तों के कारण ही एक नई क्रांति आ सकती है। लढा ने ऐलनाबाद की सभी गौशालाओं के प्रबंधक कमेटी की तरफ से ऐलनाबाद पहुंचने पर तिवारी का स्वागत किया। मौके पर विनोद गुप्ता, पंडित भानीराम शर्मा, गौसेवा समिति रक्षा ट्रस्ट के नरेंद्र गिंदड़ा, शंटी जसरासरिया, रूपराम जयपाल, अनिल मोंगा आदि थे।

सिरसा। गौभक्त करणीदान तिवारी का ऐलनाबाद गौशाला में स्वागत करते गौभक्त। फोटो : हरिभूमि

26 को संयुक्त किसान मोर्चा निकालेगा ट्रैक्टर मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक शनिवार को पटवार भवन फतेहाबाद में किसान सभा जिला उपप्रधान रामसरुप ढाणी गोपाल व किसान महासभा राज्य सचिव सुखविंद्र सिंह जेई की अध्यक्षता में हुई। किसान मोर्चा के जिला संयोजक जगतार सिंह ने मीटिंग में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि संयुक्त मोर्चा निरंतर किसानों की समस्यायों के समाधान के लिए आंदोलनरत है। दिल्ली में तीन काले कानूनों को रद्द करवाकर ऐतिहासिक जीत हासिल की। किसानों की फसलों की खरीद की गारंटी कानून बनाने, लखीमपुर खीरी के शहीद किसानों के दोषियों को सजा दिलाने, बिजली के पूर्णतया निजीकरण के लिए लाए गए बिजली बिल को रद्द करने, स्मार्ट मीटरों का विरोध आदि मांगों को केंद्र सरकार द्वारा किए गए वादे को पूरा नहीं करने के खिलाफ, 26-27-28 नवम्बर 2023 को राज्यों की राजधानियों पर तीन दिवसीय पड़ाव डाल कर राज्यपालों के माध्यम से राष्ट्रपति को हस्तक्षेप करके समाधान करवाने की मांग की गई। मोर्चा द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 19 जनवरी को जनसमस्याओं के समाधान के लिए किसान-मजदूर एकता दिवस मौके तहसील स्तर पर प्रदर्शन धरनों के माध्यम से आवाज बुलन्द करने का आह्वान किया है। आगामी राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा 16 जनवरी को संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा जालंधर कन्वेंशन में की जाएगी। 19 जनवरी को तहसील स्तर पर प्रदर्शन करके बाढ़, बरसात से हुए नुकसान के मुआवजा के तुरन्त भुगतान करने आदि मांगों को उठाया जाएगा। 26 जनवरी को फतेहाबाद अनाजमंडी में जिला भर से किसान इकट्ठे होकर 11 बजे शहर में ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे। ट्रैक्टर रैली में शामिल होने के लिए किसानों से आह्वान किया। मौके किसान सभा जिला प्रधान विष्णु दत्त, जिला सचिव राजेन्द्र प्रसाद बाटू, छत्रपाल सिंह, मुंशीराम नाढोडी, बलबीर गोरखपुर, हनुमान ढाबी, जगदीश जांडवाला बागड़, केवल सिंह रताथेह, अमर सिंह तलवाड़ा, रणजीत सिंह अयालकी शामिल हुए।

फतेहाबाद। आगामी आंदोलन को लेकर बैठक में चर्चा करते संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

शहर में अलग-अलग स्थानों पर तीन व्यक्ति मिले मृत

- नशे के ओवरडोज से मौत का संदेह, पुलिस मामले की जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

शहर में अलग-अलग स्थानों पर शनिवार को तीन लोग संदिग्ध अवस्था में मृत मिले। बताया जा रहा है कि तीनों की नशे के ओवरडोज से मौत हुई है। शवों को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जहां एक व्यक्ति नागरिक अस्पताल के सामने ग्रीन बेल्ट में मृत मिला, वहीं दो व्यक्ति शहर के अलग-अलग स्थानों पर मृत मिले। नागरिक अस्पताल के सामने फतेहपुरिया निवासी 30 वर्षीय रवि कुमार मृत मिला। आस पास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि सुबह आठ बजे आस पास के घरों की महिलाएं पशुओं का गोबर डालने के लिए ग्रीन बेल्ट में आई तो उन्होंने संदिग्ध परिस्थितियों में पड़े हुए एक व्यक्ति को देखा। जो कंबल में लिपटा हुआ था। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और दोपहर एक बजे के करीब शव को अपने कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल लेकर गई। बताया जा रहा है कि व्यक्ति की मौत नशे के कारण हुई है। वहीं रानियां रोड पर बहुतकनीकी संस्थान के सामने खाली पड़े प्लॉट में भाट कॉलोनी निवासी 18 वर्षीय युवक हरदीप उर्फ कालू मृत अवस्था में मिला। आस पास के लोगों ने जब कालू को पड़ा हुआ देखा तो निजी वाहन में नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चाचा वेद भाट ने बताया कि कालू एक डेयरी में काम करता था। वह काम पर गया था और काम के बाद वापस नहीं लौटा। वह नशे का सेवन करता था। सुबह करीब सात बजे कालू बहुतकनीकी संस्थान के सामने पड़ा हुआ मिला। उसे आस पास के लोग नागरिक अस्पताल लेकर गए। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, शहर की एक कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय दीपक की भी नशे के कारण मौत हो गई। नागरिक अस्पताल में उसे कॉलोनी के लोग लेकर आए। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दीपक की बुआ के लड़के ने बताया कि एक दिन पहले ही दीपक की मां का निधन हो गया था।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

रोडवेज डिपो वर्कशॉप गेट पर शनिवार को पुरानी पेंशन बहाली को लेकर मीटिंग हुई, जिसकी अध्यक्षता सिरसा डिपो सांझा मोर्चा के नेता पृथ्वी सिंह चाहर ने की। बैठक में पेंशन बहाली संघर्ष समिति जिला सिरसा कार्यकारिणी के जिला ऑडिटर रणजीत सिंह, राज्य कार्यकारिणी सदस्य राजेश, खंड बड़ागुढ़ा अध्यक्ष राजपाल ने सभी कर्मचारियों को 11 फरवरी 2024 की जींद रैली के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकर की सोच पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सकारात्मक नहीं है। सरकार को झुकाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर इस लड़ाई को आगे बढ़ाना है और अंजाम तक लेकर जाना है। इस मौके पर सिरसा डिपो सांझा मोर्चा के नेता शेर सिंह खोड, सतपाल सिंह रानियां, सुरेंद्र सिंह निरानिया, टीआई ब्रांच से रणवीर सिंह, चालक द्वारका प्रसाद शर्मा, चालक राममेहर सिंह, चालक कृष्ण कुमार कोटली, परिचालक मोहनलाल, सुरेश कुमार, सुखपाल सिंह, अजय कुमार, सुरजीत सिंह ढुकड़ा, बलजीत सिंह आदि मौजूद थे।

सिरसा। पुरानी पेंशन बहाली को लेकर बस अड्डा परिसर में बैठक करते कर्मचारी।

फायरकर्मियों ने अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल किया

कामगारों को आग बुझाने के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जाखल

क्षेत्र में शनिवार को अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मौके पर फायरकर्मियों ने डेमो के माध्यम से आग बुझाने के बारे में जानकारी दी। क्षेत्र में संचालित एक राइस मिल उद्योग में अग्निशमनकर्मी संदीप कुमार ने कामगारों को उद्योग में आग लगने के कारण व नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आग की घटनाओं के दौरान बचाव कार्य व अन्य आवश्यक सावधानियों के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही फायर कर्मियों ने मिल उद्योग में लगे फायर सेफ्टी उपकरणों के इस्तेमाल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि हर किसी को फायर सेफ्टी उपकरणों के बारे में जानकारी होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक स्थानों में उपकरण तो लगाए गए हैं लेकिन यदि हमें इन उपकरणों को चलाने की कोई जानकारी न हो तो ये उपकरण जरूरत पड़ने पर हमारे लिए कोई काम नहीं आएंगे। फायरकर्मी प्रताप सिंह ने बताया कि आग लगने पर सबसे पहले फायर अलार्म को सक्रिय करें। आग लगने पर धुएं से घिरे होने पर अपने नाक और मुंह को गीले कपड़े से ढक लें। आग लगने पर तुरंत इस बारे में दमकल विभाग को फोन करें। दमकल कर्मियों ने आमजन को गैस सिलेंडर के प्रयोग के बारे में भी बताया। उन्होंने ट्रायल करते हुए गैस सिलेंडर को आग लगाकर कपड़े के माध्यम से बुझाने का तरीका बताया। इसके अलावा उद्योग में खाली स्थान पर आग लगाकर अग्निशमन गाड़ी से आग को बुझा कर बचाव का तरीका भी बताया। मुख्य फायरमैन संदीप कुमार, फायरमैन राजेश कुमार, रोही राम और चालक प्रताप सिंह उपस्थित थे।

जाखल। मॉक ड्रिल में आग लगने पर सुरक्षा प्रबंधों बारे जानकारी देते फायर कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

डेरा के श्रद्धालुओं ने ईंट भट्ठों पर जरूरतमंदों के बीच बांटे गर्म वस्त्र

रतिया। शाह सतनाम सिंह महाराज के अवतार माह के उपलक्ष्य में ब्लॉक रतनगढ़ के गांव लुठेरा की साध संगत ने क्षेत्र के गांवों में स्थित अलग-अलग ईंट भट्ठों पर जरूरतमंद लोगों को सर्दियों से बचाव के लिए गर्म वस्त्र बांटकर मानवता का संदेश दिया। डेरा श्रद्धालु अमरीक सिंह ने बताया कि शाह सतनाम सिंह महाराज के अवतार माह, मकर संक्रांति व लोहड़ी के उपलक्ष्य में संत गुरमीत राम रहीम सिंह द्वारा बताए रास्ते पर चलते हुए अनेक ईंट भट्ठों पर जाकर सर्दी से बचाव के लिए जरूरतमंद बच्चों को ट्रैक सूट, जुराबें व टोपियां बांटी गई। मौके पर संदीप कौर इन्सां, हरप्रीत कौर, नीलम रानी, वीरपाल कौर, परमजीत कौर, जसविंद्र कौर, बिल्लू सिंह, राम रतन सिंह, नछतर सिंह, जसपाल सिंह, सुखदीप सिंह, जशनदीप सिंह, हरजस, जसकरन आदि शामिल थे।

वर्किंग महिलाओं के लिए बेस्ट इन्वेस्टमेंट स्कीम

सुझाव | बिजनेस डेस्क

देश में लगातार कामकाजी महिलाओं का संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाओं को भी अपना पैसा बढ़ाने के लिए निवेश पर फोकस करना चाहिए, ताकि उन्हें अच्छा ब्याज मिल सके और वे भी पुरुषों की भांति अमीर हो सकें। अक्सर देखने में आता है कि ज्यादातर महिलाएं अपना पैसा घर पर ही बचाकर रखती हैं, जिसका कोई ब्याज नहीं मिलता है। अगर इन पैसों को किसी सही जगह इन्वेस्ट किया जाए तो न सिर्फ पैसा सुरक्षित रहेगा, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी। आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और वित्तीय सुरक्षा के लिए सिर्फ कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि इन्वेस्टमेंट करना भी जरूरी है। अगर आप भी कामकाजी महिला हैं तो निवेश के बेस्ट विकल्पों से जुड़ी जरूरी बातें आपको पता होनी ही चाहिए।

गोल्ड में निवेश

कहते हैं कि महिलाओं को अपनी रसोई और सोना सबसे प्यारा होता है। पुराने समय से ही महिलाएं गोल्ड में निवेश करती आ रही हैं। सोने में निवेश के आप फिजिकल, डिजिटल गोल्ड, गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे कई विकल्प के जरिये इन्वेस्ट करके मुनाफा कमा सकते हैं। वर्तमान में डिजिटल गोल्ड जैसे विकल्पों ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट को और अधिक सेफ और आसान बना दिया है। गोल्ड में इन्वेस्ट कर आप अच्छा मुनाफी कमा सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

वैसे तो शेयर बाजार में निवेश करके अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है, लेकिन इसमें हाई रिस्क रहती है। यदि आप थोड़े कम जोखिम के साथ निवेश प्लान लेना चाहते हैं तो आपके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी बेहतर विकल्प साबित होगा। अगर आप लंबे समय के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि एसआईपी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है। इसमें हर महीने निवेश कर महिलाएं अच्छा मुनाफा कमा सकती हैं। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और किफायती जरिया भी माना जाता है। आजकल देश में इसकी डिमांड भी बढ़ रही है।

डेट फंड

डेट फंड असल में म्यूचअल फंड ही होता है, जो बिना जोखिम उठाए एफडी से ज्यादा रिटर्न देते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट का समय पूरा होते ही डेट फंड आपको फिक्स्ड रेट पर अच्छा खासा रिटर्न देते हैं। मौजूदा वक्त में डेट फंड में 6% से 8% का ब्याज मिल रहा है। इसमें महिलाएं मिनिमम 500 रुपये से एसआईपी शुरू कर सकती हैं।

नेशनल पेंशन स्कीम

भारत सरकार की रिटायरमेंट स्कीम में निवेश करके वर्किंग वूमन बुढ़ापे के लिए पेंशन फंड इकट्ठा कर सकती हैं। सरकार ने पेंशन की कई योजनाएं चलाई है, जिसमें राष्ट्रीय पेंशन योजना भी शामिल है, जिसमें निवेश करके पैसा सुरक्षित रख सकते हैं। एनपीएस के जरिये कॉर्पोरेट बॉन्ड, इक्विटी, लिक्विड फंड शामिल हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस

यह अक्सर कहा जाता है कि सबसे अच्छा निवेश जो हम कर सकते हैं वह हमारे स्वास्थ्य में है। यह आपके परिवार के साथ-साथ आपके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। फाइनेंशियल प्रोटेक्शन हेल्थ इंश्योरेंस किसी भी गंभीर बीमारी में लगने वाले हाई कॉस्ट को कवर करके वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। हेल्थ इंश्योरेंस की मदद से हम अचालक से आने वाले वित्तीय संकट से बच सकते हैं।

जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं। लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

समय पर चुकाएं लोन, वरना घेर लेगा कर्ज का 'मकड़जाल'

जरूरत पड़ने पर कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं है लेकिन ऐसा करते समय कुछ बातें पल्ले बांध लें ताकि आपको आगे चलकर पछताना न पड़े

अचानक कोई जरूरत पड़ जाए या घर, कार जैसी महंगी चीजें खरीदनी हों, तो लोन सभी लेते हैं। नई तकनीक के इस्तेमाल ने तो कर्ज लेना पहले से काफी आसान बना दिया है। लिहाजा, लोग भी आसान क्रेडिट की इस सुविधा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं, लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा और एक समय ऐसा आएगा कि आप उससे उभर नहीं पाएंगे। कर्ज लेते समय या उसे चुकाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आगे चलकर आपको कोई परेशानी न हो। हम यहां आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बताएंगे, जिन पर अमल करके आप अपने लोन लेने और चुकाने के अनुभव को किसी मुसीबत में तब्दील होने से बचा सकते हैं।

कर्ज उतना ही लें, जितना चुका सकें

आपको कर्ज हमेशा उतना ही लेना चाहिए, जितना आप आसानी से चुका सकते हों। लोन भले ही कितनी भी आसानी से मिल रहा हो, लेकिन आखिर वो है तो कर्ज ही, जिसे आपको देर-सबेर चुकाना ही होता है। इसलिए अपनी रीपेमेंट की क्षमता से ज्यादा कर्ज लेने से बचना चाहिए। अगर आपकी आमदनी का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें (ईएमआई) चुकाने में चला जाएगा, तो आपकी सारी फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ने का खतरा है। आमतौर पर माना जाता है कि आपकी होमलोन की ईएमआई आपकी मंथली इनकम के 35-40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वहीं, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई का हिस्सा आपकी मासिक आय के 10 फीसदी से भी कम रहे तो ही बेहतर है।

कर्ज की अवधि कम से कम रखें

कर्ज लेने का फैसला करते समय अक्सर लोग ये देखते हैं कि उसकी ईएमआई कितनी बनेगी और ऐसा करना बिलकुल सही भी है, लेकिन गलती तब हो जाती है, जब क्षमता से ज्यादा लोन लेने के चक्कर में लोग कर्ज की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ज की रकम और ब्याज दर अगर बराबर है तो ईएमआई कम रखने के लिए लोन की अवधि बढ़ाना हमेशा समझदारी भरा फैसला नहीं होता। ऐसा करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि कर्ज चुकाने में आप जितना ज्यादा वक्त लगाएंगे, ब्याज का बोझ उतना ही बढ़ता जाएगा। होम लोन जैसे कर्ज के मामले में अगर आप शुरुआत में अपनी कम इनकम के कारण ज्यादा अवधि का चुनाव कर भी लेते हैं, तो भी आगे चलकर ईएमआई बढ़ाने की कोशिश करें, ताकि लोन को कम से कम समय में चुकाया जा सके। अगर आपके कई लोन चल रहे हैं, तो सबसे पहले उस लोन को निपटाने की कोशिश करें, जिसकी ब्याज दर सबसे ज्यादा है।

बेहतर ब्याज दर की तलाश जारी रखें

होम लोन जैसे लंबी अवधि के कर्ज लेकर भूल न जाएं। अगर आपको होम लोन पर काफी ऊंची ब्याज दर चुकानी पड़ रही है, तो उसे कम करवाने की कोशिश करें। खासतौर पर अगर आपके लोन लेने के बाद बाजार में ब्याज दरों में नरमी आई है, तो आपको उसका लाभ उठाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आपको अपने मौजूदा बैंक या एनबीएफसी से बात करके देखना चाहिए। अगर इससे बात न बने, तो दूसरे बैंकों से संपर्क करके लोन का बैलेंस ट्रांसफर करने पर विचार करना चाहिए। लंबी अवधि के लोन की ब्याज दर में आई थोड़ी भी कमी ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकती है। कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है, क्योंकि ऐसा करने पर आपको जुर्माने के तौर पर एक्स्ट्रा पेमेंट करना पड़ सकता है या ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इससे आपका क्रेडिट प्रोफाइल और सिबिल स्कोर भी बिगड़ जाता है, जिसके कारण आपको आगे चलकर और भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

शौक, फिजूलखर्ची के लिए कर्ज लेने से बचें

एक बात हमेशा याद रखें। कर्ज लेना तभी वाजिब है, जब आप किसी जरूरी काम के लिए ऐसा कर रहे हों। सिर्फ किसी महंगे शौक या फिजूलखर्ची के लिए या फिर कर्ज लेने में जरा भी समझदारी नहीं है। इसी तरह शेयर मार्केट जैसे उतार-चढ़ाव वाले निवेश के लिए कर्ज लेना भी सही नहीं है। इसके लिए तो आपको अपने एक्स्ट्रा फंड का ही इस्तेमाल करना चाहिए। लोन लेना तभी वाजिब है, जब उसका इस्तेमाल आप किसी जरूरत के लिए कर रहे हों। मिसाल के तौर पर महानगर में रहने वाले लोगों के लिए कार जरूरत की चीज हो सकती है, लेकिन अगर आपका काम किसी सामान्य कार से चल सकता है, तो क्षमता से बाहर होने पर भी सिर्फ दिखावे के लिए ज्यादा कर्ज लेकर महंगी लग्जरी कार खरीदना समझदारी भरा फैसला नहीं हो सकता।

जिसने लगाया पैसा उसकी हो गई बल्ले-बल्ले, इंडेक्स म्यूचुअल फंड में कर सकते हैं निवेश

पिछले साल 10 इंडेक्स फंड ने दिया मुनाफा

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"भारत में भी म्यूचुअल फंड अब लोकप्रिय हो रहे ■ म्यूचुअल फंड की कई कैटेगरी, दे रही मुनाफा ■ अच्छा रिटर्न भी निवेशकों को खूब लुभा रहा ■ कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 से 60% तक रहा ■ इंडेक्स को पेसिव फंड के नाम से भी जाना जाता है"

साल 2023 में इंडेक्स फंड में पैसा लगाने वालों की मौज हो गई है। इस साल 10 इंडेक्स फंड ने तो छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक रहा है। यह रिटर्न एफडी और पीएफ जैसे परंपरागत निवेश विकल्पों से कई गुना ज्यादा है। इंडेक्स फंड में जोखिम कम माना जाता है, इन्हें पेसिव फंड भी कहा जाता है। इनमें भी निवेशक अन्य म्यूचुअल फंड की तरह एसआईपी के जरिए पैसा ला सकते हैं। इंडेक्स फंड किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जैसे निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड, निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड या निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड। किसी भी इंडेक्स फंड में लगाए गए पैसे, उस खास इंडेक्स में शामिल कंपनियों में ही डाले जाते हैं। इंडेक्स फंड का टोटल एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम रहता है।

मिला शानदार रिटर्न

साल 2023 में बाजार में शानदार तेजी की वजह से इस बार म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी अच्छा रिटर्न मिला है। इस रिपोर्ट में हम आपको उन इंडेक्स म्यूचुअल फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 1 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की डेटा से ऐसे 10 फंड्स को चुना है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट कम से कम सौ करोड़ रुपये से ज्यादा है।

इन फंड्स ने की धनवर्षा

पहला

आदित्य बिरला सन लाइफ निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड है। इस फंड के रेगुलर प्लान का सालाना रिटर्न 60.60 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 61.56 फीसदी रहा है।

दूसरा

एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड का दूसरा नंबर है। इस फंड के रेगुलर प्लान ने 60.25 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान ने 61.45 फीसदी रिटर्न पिछले एक साल में दिया है।

तीसरा

मोतीलाल ओसवाल एसएंडपी बीएसई इनहांस्ड वैल्यू इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान में निवेश करने वाले निवेशकों को 60.13 फीसदी और डायरेक्ट प्लान में पैसा लगाने को एक साल में 61.21 फीसदी रिटर्न मिला है।

चौथा

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल नैस्डेक 100 इंडेक्स फंड का एक साल का रिटर्न 56.47% (रेगुलर), 57.25% (डायरेक्ट) रहा है।

पांचवां

एडलवाइज निफ्टी मिडकैप 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का 1 साल का रिटर्न 50.99 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 52.08% रहा है।

छठा

टाटा निफ्टी मिडकैप फंड 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड का सालभर का रिटर्न 49.29 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का 50.48 फीसदी रहा है।

सातवां

एक्सिस निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान ने साल में 47.95% व डायरेक्ट प्लान ने 49.06% रिटर्न दिया है।

आठवां

मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.15 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का 48.17 फीसदी रहा

नौवां

एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.17 फीसदी तो डायरेक्ट का 48.06 फीसदी रहा है।

दसवां

निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड ने भी निवेशकों को एक साल में बंपर मुनाफा दिया है। इसके रेगुलर प्लान का साल का रिटर्न 46.94% और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 47.92 फीसदी रहा है।

शेयर बाजार में फिर गिरावट का दौर, ऐसे में क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

नए साल में शेयर बाजार में निवेशक गिरावट ही देख रहे हैं। बाजार कल गिरावट के साथ बंद हुआ था। मुख्य रूप से बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा था। कल तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 379.46 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,892.48 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 658.2 अंक तक लुढ़क गया था। ऐसे में अधिकतर नए और रूढ़िवादी निवेशक 100% स्टॉक मार्केट एक्सपोजर से जुड़े जोखिमों, जैसे अनस्टेबिलिटी और डायवर्सिफिकेशन की कमी के बारे में चिंता करते हैं। इसलिए, ऐसे निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प हाइब्रिड इनवेस्टमेंट सोल्यूशन तलाशना होता है।

क्या होता है हाइब्रिड म्यूचुअल फंड

आक्रामक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में इक्विटी और डेट का मिश्रण होता है। इसी वजह से यह निवेशकों की पूंजी में बढ़ोतरी तो करता ही है, उसे सुरक्षा का संतुलन भी प्रदान करता है। गोल्स फाइनेंशियल के पार्टनर दीपक महाडिक का कहना है कि हाइब्रिड म्यूचुअल फंड निवेशकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदान करते हैं। निवेश की दुनिया में यह जीत का समीकरण हाइब्रिड निवेश के रूप में सामने आता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों का अनोखा प्रस्ताव यह है कि वे निवेश को दो परिसंपत्ति वर्गों - इक्विटी और डेट में फैलाते हैं। ये फंड 65-80% तक इक्विटी में निवेश करते हैं, जिससे उच्च विकास के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। इसके विपरीत, इक्विटी सेगमेंट में अत्यधिक अस्थिरता या कम प्रदर्शन की अवधि के दौरान डेट घटक एक कुशन के रूप में कार्य करता है।

रिस्क फैक्टर कितना

आक्रामक हाइब्रिड फंड मध्यम जोखिम क्षमता वाले निवेशकों की जरूरतों को पूरा करते हैं और विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हैं। महाडिक के मुताबिक, इक्विटी और ऋण दोनों घटकों को शामिल करने से जोखिम और अस्थिरता को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है, जो कि इक्विटी फंडों में अनुपस्थित है। यह विविध दृष्टिकोण उच्च रिटर्न की संभावना को बनाए रखते हुए एक स्थिर निवेश वातावरण प्रदान करके निवेशकों के विश्वास को बढ़ाता है, जिससे आक्रामक हाइब्रिड फंड अपने निवेश पोर्टफोलियो में मापा जोखिम जोखिम चाहने वालों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

इस समय क्यों हो रही है इसकी चर्चा

आक्रामक हाइब्रिड फंड आज विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। ऐसे समय में जब शेयर बाजार का मूल्यांकन विशेष रूप से सस्ता नहीं होता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों में पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन में पूर्व निर्धारित सीमा के भीतर परिसंपत्ति आवंटन को पुनः व्यवस्थित करना शामिल है। आंकड़े बताते हैं कि एक दिसंबर, 2023 तक, आक्रामक हाइब्रिड फंड श्रेणी ने 13.7% (1 वर्ष में), 16.2% (3 वर्ष), 13.1% (5 वर्ष), और 13.8% (10 वर्ष में) का औसत रिटर्न दिया है। इस श्रेणी में हर समय-सीमा में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड रहा है।

निवेशकों को लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करना होगा, लक्ष्य लेकर चलेंगे तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन

सिक्योर रिटायरमेंट का लें मंत्र, 3 जगहों पर बड़े काम का निवेश

बिजनेस डेस्क

- 15 साल में इतना रिटर्न मिल जाएगा, बुढ़ापा आराम से कटेगा
- वीपीएफ, ईएलएसएस और पीपीएफ दे सकते हैं अच्छा मुनाफा
- ये आप्शन धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाने में भी आते हैं काम

नया साल उत्साह और उमंग के साथ कई अच्छी खबरें लेकर आता है। यह समय फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए भी बढ़िया होता है। अभी अगर आप अपने 30-40 की उम्र में हैं तो आपको रिटायरमेंट प्लानिंग कर लेनी चाहिए। बहुत से सैलरीड प्रोफेशनल्स अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में रिटायरमेंट प्लानिंग को टारगेट पर रखकर नहीं चलते, लेकिन इस साल आप ये एक चीज तो फिक्स कर सकते हैं। अगर आप लंबी अवधि के निवेश और अपने रिटायरमेंट फंड की स्ट्रेटेजी लेकर चलें तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन हैं। इन ऑप्शन में आपको बेहतर रिटर्न देखने को मिल सकते हैं। वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ), क्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस) या पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) में निवेश अच्छा मुनाफा दिला सकता है।

वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड

रिटायरमेंट के लिए वीपीएफ में निवेश एक बेहतर विकल्प हो सकता है। ईपीएफ में बेसिक सैलरी का सिर्फ 12 फीसदी ही कॉन्ट्रीब्यूट किया जा सकता है, लेकिन, वीपीएफ में निवेश करने की कोई सीमा नहीं होती। मतलब अगर कर्मचारी अपनी इन-हैंड सैलरी को कम रखकर भविष्य निधि में योगदान बढ़ाता है तो इस विकल्प को वीपीएफ कहते हैं। वीपीएफ में भी ईपीएफ के समान 8.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। ये स्कीम ईपीएफ का ही एक्सटेंशन है। इसे सिर्फ नौकरीपेशा ओपन कर सकते हैं। बेसिक सैलरी और डीए का 100 फीसदी इसमें निवेश किया जा सकता है।

वीपीएफ के लिए क्या करें?

आपको अपनी कंपनी के एचआर या फाइनेंस टीम से संपर्क करना होगा। वीपीएफ में कॉन्ट्रीब्यूशन की रिक्वेस्ट करनी होगी। प्रॉसेस होते ही आपके ईपीएएफ अकाउंट से वीपीएफ को जोड़ दिया जाएगा। वीपीएफ का अलग से कोई अकाउंट ओपन नहीं होता। वीपीएफ के योगदान को हर साल संशोधित किया जा सकता है। हालांकि, वीपीएफ में निवेश को लेकर एम्प्लॉयर बाध्य नहीं है। कर्मचारी सिर्फ अपना योगदान ही बढ़ा सकता है। अगर आप जॉब चेंज करते हैं तो इस अकाउंट को आसानी से ट्रांसफर कर सकते हैं। इस पर लोन भी मिलता है। बच्चों के एजुकेशन, होम लोन, बच्चों की शादी के लिए भी इससे लोन लिया जा सकता है। वीपीएफ खाते से रकम की आंशिक निकासी के लिए खाताधारक का 5 साल नौकरी करना जरूरी है। अगर 5 साल से कम है तो टैक्स कटता है। वीपीएफ की पूरी रकम केवल रिटायरमेंट पर ही निकाली जा सकती है। वीपीएफ पर आयकर कानून के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स डिडक्शन का फायदा मिलता है। निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी (ईईई) पर मिलने वाला पैसा पूरी तरह टैक्स फ्री है। ये स्कीम रिटायरमेंट के लिए काफी बढ़िया है।

इक्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस)

देश में 42 म्यूचुअल फंड कंपनियां टैक्स सेविंग स्कीम चलाती हैं। हर कंपनी के पास इनकम टैक्स बचाने के लिए इक्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस) है। इसे ऑनलाइन या किसी एजेंट से खरीदा जा सकता है। इनकम टैक्स बचाने के लिए वन टाइम इन्वेस्टमेंट लिमिट न्यूनतम 5 हजार रुपये है और हर महीने निवेश करना है तो न्यूनतम 500 रुपये महीने का निवेश शुरू कर सकते हैं। इसमें 1.5 लाख रुपये की अधिकतम टैक्स छूट ली जा सकती है, लेकिन अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है।

ब्याज नहीं, मार्केट लिंक्ड रिटर्न

स्कीम में 3 साल के लिए लॉक-इन रहता है। बाद में निवेशक चाहे तो पैसा निकाल सकता है। 3 साल के बाद चाहें तो पूरा निकाला जा सकता है। आंशिक निकासी का भी ऑप्शन होता है। बाकी पैसा आप जब तक चाहें स्कीम में पड़ा रहने दे सकते हैं। ईएलएसएस की खास बात है कि इसमें निवेश पर ब्याज की जगह मार्केट लिंक्ड रिटर्न मिलता है।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) इस स्कीम को बैंक या पोस्ट ऑफिस में कहीं भी खोला जा सकता है। किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में ट्रांसफर भी किया जा सकता है। इसे खोलने के लिए सिर्फ 500 रुपये काफी हैं। हर साल 500 रुपये एक बार में जमा करना जरूरी है। अकाउंट में हर साल अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। यह स्कीम 15 साल के लिए है, जिससे बीच में पैसा नहीं निकला जा सकता है, लेकिन, इसे 15 साल के बाद 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

चिट्टा सप्लाई करने वाली महिला सप्लायर काबू

हांसी। जिलेभर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में थाना शहर हांसी पुलिस ने चिट्टा सप्लाई करने वाली असल महिला सप्लायर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित महिला की पहचान सांई कालोनी निवासी कांता के रूप में हुई है। आरोपित महिला कांता ने अपनी ही बहन साई कॉलोनी हांसी अनीता को गत दिनों पहले 6 ग्राम चिट्टा सप्लाई किया था।

हत्यारोपियों का साथ देने वाला आरोपी गिरफ्तार

हांसी। पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने प्रदीप उर्फ काला बडाला की हत्या करने के मुख्य आरोपियों का साथ देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित की पहचान गांव जमावड़ी व हाल मुलतान कॉलोनी निवासी विकास के रूप में हुई है।

संयुक्त भारतीय धर्म संसद का मिलन समारोह आज

हिसार। संयुक्त भारतीय धर्म संसद हरियाणा की ओर से 14 जनवरी रविवार को मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। संसद के राष्ट्रीय महामंत्री रामफल शर्मा पाबड़ा वाले ने बताया कि लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के अवसर पर समारोह का आयोजन सेक्टर 27-28 इंडस्टीयल एरिया में बीएसएनएल एक्सचेंज के सामने किया जाएगा।

बधावड में आज होगी खेल प्रतियोगिताएं

बरवाला। गांव बधावड़ में 14 जनवरी को डीवाईएफआई की और से मकर संक्रांति के अवसर पर युवाओं की 100 मीटर रेस, बुजर्गों की रेस, महिला रेस व रस्साकशी आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। भारत की जनवादी नौजवान सभा के जिला प्रधान जितेंद्र बूरा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन सभा के पूर्व नेता दिनेश सिवाच व जिला सचिव मुकेश दुर्जनपुर करेंगे।

जन्ममहोत्सव पर कार्यक्रम आज

हिसार। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीश्री 1008 श्री गुरु ब्रह्मानंद महाराज का 35 वां जन्महोत्सव 14 जनवरी को बड़े हर्षोल्लास के साथ कैमरी रोड ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम मनाया जाएगा। आश्रम के गद्दीनशीन परमपूज्य स्वामी राजेश्वरानंद महाराज ने बताया कि 14 जनवरी को सुबह विद्वान ब्राह्मणों द्वारा हवन यज्ञ किया जाएगा। उसके उपरांत देशी घी का विशाल भंडारा लगाया जाएगा व समस्त साधु समाज को गर्म कंबल का वितरण होगा।

नौकरी के बदले नियम वापस लेने की मांग

हिसार। लोकस्वराज पार्टी के हरियाणा अध्यक्ष अनिल शर्मा सातरोड़िया ने प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश से बाहर के नगारिकों को सरकारी नौकरी देने के लिए बदले गए नियम का पुरजोर विरोध किया है। शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार को इस नियम को तुरंत प्रभाव से वापिस लेना चाहिए ताकि हरियाणा के सामान्य श्रेणी के नागरिकों को सरकारी नौकरियों में मिलने वाला हक मरने से बच सके।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार। राष्ट्रीय युवा दिवस पर इंदिरा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के परिसर में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न स्पधाअरं का आयोजन किया गया। भाषण, कविता व नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा शहरी मंडल उपाध्यक्ष व जिला संयोजक पूर्वांचल केपी गुप्ता मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाने का विरोध

हिसार। पूर्व निगम पार्षद एडवोकेट मान सिंह चौहान ने पड़ाव चौक पर एमआरएफ सेंटर कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाए जाने का विरोध किया है। उन्होंने इसका विरोध कर रहे पड़ाव भाईचारा सेवा समिति संगठन व स्थानीय लोगों को कहा कि शहर के बीचों-बीच कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाना गलत है।

विदेश भेजने के नाम पर चल रहा ठगी का गोरखधंधा

बिना लाइसेंस चल रहे इमीग्रेशन सेंटर पुलिस की खामोशी से बढ़ रही ठगी

आमजन से हो रही इस तरह की ठगी के लिए इमीग्रेशन सेंटरों के साथ ही आइलेट्स सेंटरों की संलिप्ता भी खास

आकाश गर्ग ▶▶| जाखल

जिला क्षेत्र कबूतरबाजों के पंजे में फंसता जा रहा है। टोहाना और जाखल कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्र के युवा विदेशी मुद्रा की खनक और आलीशान जिदगी की चकाचौंध में डूब रहे हैं। ठग कबूतरबाजों के पंख कतरने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा हैं। विदेश भेजने के नाम पर चल रहा ठगी का गोरखधंधा, वर्ष 2023 में बड़ी सीख दे गया हैं। बीते साल कई युवाओं के सपने चकनाचूर हुए तो अनेक परिवार अर्श से फर्श पर भी आ पहुंचे। टोहाना और जाखल शहर में कुकुरमुत्तों की तरह इमीग्रेशन सेंटर खुल गए हैं। सूत्र बताते हैं कि अधिकांश इमीग्रेशन सेंटर बिना लाइसेंस के संचालित हैं लेकिन पुलिस या प्रशासन के पास इन सेंटरों की जांच करने का समय ही नहीं हैं। नतीजन इससे विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामलों में बढ़ोतरी होती जा रही है। आमजन से हो रही इस तरह की ठगी के लिए इमीग्रेशन सेंटरों के साथ ही आइलेट्स सेंटरों की संलिप्ता भी खास हैं, यहीं से लोगों को फंसाने का काम शुरू होता है। ऐसे आईलेट्स सेंटर के संचालक या तो स्वयं ही व्यक्ति का वीजा लगवाने की जिम्मेदारी उठा लेते हैं या फिर यहां से युवाओं को एजेंटों के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस धंधे से जुड़े जानकार सूत्र बताते हैं कि यदि प्रशासन के आला अफसर जिला के शहरों में संचालित हो रहे इमीग्रेशन सेंटरों पर दबिश देकर निष्पक्ष जांच करें तो कई ट्रैवल एजेंटों पर कार्यवाही की गाज गिरना तय है। ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी फंस रहे जाल में स्थानीय शहरों के साथ चंडीगढ़ में अपना डेरा डाले बैठे कई ठग एजेंट, देश में बढ़ती हुई बेरोजगारी का लाभ उठाते हुए न केवल अपना नेटवर्क मजबूत कर रहे हैं, बल्कि शहरों से लेकर अब खासकर ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी इन एजेंटों के चंगुल में फंस रहे हैं और नुकसान उठा रहे हैं।

पंजाब के सोशल एक्टिविस्ट भाना बने मसीहा

गुजरे वर्ष पंजाब के सोशल एक्टिविस्ट भाना सिद्धू एजेंटों के जाल में फंसे लोगों के लिए मसीहा बनकर उभर रहे हैं। जिन्होंने न केवल पंजाब, अपितु पंजाब से सटे हरियाणा क्षेत्र के लोगों के रुपए भी एजेंटों से वापिस लौटाने में विशेष भूमिका अदा की।

वर्क परमिट के पैसे ले लगवा दिए टूरिस्ट वीजा

कुलां निवासी एक व्यक्ति को कनाडा भेजने के नाम पर चंडीगढ़ के एजेंट ने करीबन 20 लाख रुपए ले लिए लेकिन अब वो न तो वीजा लगवा रहा है और न ही पैसे वापिस कर रहा हैं। जाखल नगर के साथ सटे कस्बा बरेटा के निवासी मनीष कुमार, कुलदीप और जीवन ने बताया कि चंडीगढ़ निवासी एक महिला एजेंट ने उन्हें विदेश में काम दिलाने का झांसा देते हुए साढ़े 3-3 लाख रुपए ले लिए लेकिन बाद में उनका टूरिस्ट वीजा लगवा दिया। जब वह वहां पहुंचे तो उन्हें इस संबंधी पता चला। इसके बाद उन्होंने अपने परिजनों को फोन कर ये दास्तां बताई। इसके बाद परिवार ने किसी तरह उनकी टिकट कराए उन्हें वापिस घर लाया गया।

इस तरह ठगी करते हैं एजेंट

बेरोजगारों को सब्जबाग दिखा कर यह एजेंट उनसे लाखों रुपए वसूली कर या तो उन्हें वीजा आने की प्रतीक्षा करने का तर्क देते हुए लंबे समय तक उनके चक्कर कटवाते रहते हैं या फिर युवाओं को विदेशों में भेज तो दिया जाता है, लेकिन कुछ समय बाद काम न मिलने या दूसरा काम मिलने की वजह से जानें वाले किसी तरह से अपने देश वापिस आ जाते हैं। तबतक इनके ऊपर साहूकारों का लाखों रुपए कर्ज चढ़ जाता है।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष

इस बारे में जाखल थाना प्रभारी रणजीत सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ये मामला उनके संज्ञान में है। रही बात इमिग्रेशन सेंटरों की जल्द ही सभी सेंटरों की जांच की जाएगी। पुलिस की जांच पड़ताल में यदि कोई सेंटर बगैर लाइसेंस संचालित हुआ पाया गया तो उस पर नियमानुसार सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस शेयर करें लाइसेंस धारक एजेंटों की जानकारी

पुलिस ने ऐसी किसी भी तरह की जानकारी शेयर नहीं की है कि जिला या शहर में कौन-कौन से एजेंट हैं, जिनके पास लाइसेंस हैं। अब लोग भी दुविधा में हैं कि वो कहां से ये जानकारी लें और किस सेंटर में जाकर विदेश जाने के लिए अप्लाई करें, इसलिए वो ठगी का शिकार हो रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में लापता युवक का राजमार्ग पर मिला शव

- शव पर चोट और घसीटने के निशान
- परिजन बोले-हत्या हुई, पुलिस को एक्सीडेंट का अंदेशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

घर से लापता एक युवक का शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बरवाला फ्लाईओवर पर संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां मृतक की पहचान इंदिरा कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय प्रवीण के रूप में हुई है। फ्लाईओवर पर मिले शव पर काफी चोट व घसीटने के निशान हैं वहीं मृतक युवक के परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई है। वहीं पुलिस के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हुई है।

मृतक प्रवीन के मामा भारत सिंह ने बताया कि प्रवीण 10 जनवरी को सुबह 7 बजे के करीब अपने घर से पैदल निकला था। पिछले तीन दिनों से उसका कहीं सुराग नहीं लग रहा था। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह राहगीरों ने बरवाला फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ देखा तो पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

उन्होंने बताया कि बरवाला फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पर वे नागरिक अस्पताल पहुंचे और मृतक की पहचान की तो वह प्रवीण का शव था। उन्होंने बताया कि प्रवीण के शव पर काफी चोटें व रगड़ने के निशान हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया प्रवीण की हत्या कर इसे हादसे का रुप देने के लिए सड़क पर फेंकने का मामला लग रहा है।

वहीं मृतक प्रवीण की जेब से रोडवेज बस की जमावड़ी से हांसी की डिजीटल टिकट बरामद हुई है, लेकिन वह जमावड़ी कब और क्यों गया था इस बारे में परिजनों को जानकारी नहीं है। वहीं शुक्रवार दोपहर हांसी आने के बाद भी प्रवीण घर क्यों नहीं गया।

विज्डम स्कूल में फेयरवेल पार्टी में जमकर झूमे विद्यार्थी

हिसार। विज्डम स्कूल में कक्षा 9वीं के छात्रों ने दसवीं के छात्रों के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया। इस दौरान एक दूसरे को शुभकामनाएं दी और खटी मीठी यादों को साझा किया। फेयरवेल पार्टी में रैंप वॉक, नृत्य व अनेक प्रकार के मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। इस समारोह में जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर विद्यार्थियों को टाइटल व स्मृति चिह्न देकर कार्यक्रम को यादगार व मनोरंजक बनाया। इस मौके पर दक्षिता गर्ग मिस विज्डम चैतन्य वशिष्ठ मिस्टर विज्डम,लक्ष्य व रेहान मिस्टर फेयरवल तथा इशिता मिस फेयरवल विज्डम चयनित हुए। विद्यालय संस्थापक हरिपाल पिलानिया ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सरकार ने मुआवजे के लिए कोरे आश्वासन ही दिए : नंबरदार

- संयुक्त किसान मोर्चा का लघु सचिवालय के सामने बेमियादी धरना जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। किसानों के बेमियादी धरने पर बैठे किसान। फोटो : हरिभूमि

किसानों का 2020 से 23 तक का बकाया मुआवजा, नरमा कपास की एमएसपी पर खरीद शुरू हो, आवारा पशुओं पर रोक लगे, पशु मेले खुलवाने के लिए, नहरों में दो हफ्ते पूरा पानी मिले आदि मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले लघु सचिवालय के सामने चल रहा अनिश्चितकालीन कालीन धरना शनिवार 11वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता श्रवण आसरावां व जसवीर डाया ने संयुक्त रूप से की तथा संचालन राजीव मलिक व राजवीर न्यौली ने किया।

जिला प्रधान शमशेर सिंह नंबरदार ने कहा कि वर्तमान सरकार व प्रशासन ने किसानों को झूठा आश्वासन देकर गुमराह किया कि 31 दिसंबर को किसानों का 2020 से 23 तक का बकाया मुआवजा दिया जाएगा परंतु आज 11 दिन से इस कड़ाके की ठंड में खुले आकाश के नीचे दिन-रात किसान धरने पर बैठे हैं, सरकार का आश्वासन कोरा साबित हुआ। धरने को विजय सिंह जागलान, दिनेश सिवाच, कमला देवी, कृष्ण पाली, दलबीर किरमारा, सुरेंद्र मान, सूबेसिंह बूरा, रमेश मिरकां, मुकेश घनघस, ईश्वर सिंह ग्रेवाल, बलराज सहरावत, सतबीर रोहिल, मांगेराम भाकर पूर्व सरपंच, विजय पीटीआई, संतलाल, राममेहर लाडवा, जयपाल सिंधु, श्रीराम लाडवा, संजय पूनिया, रामकुमार दुहन जस्सू डाया, जयवीर कुंडू, दिलबाग खेदड़, कृष्णा भाकर, रघुवीर सिंह लाडवा, राम मेहर पूर्व सरपंच लाडवा, राजेश शास्त्री आदि ने संबोधित किया।

अनाथ आश्रम में रह रहे बुजुर्ग ने दम तोड़ा सर्दी से मौत का अंदेशा

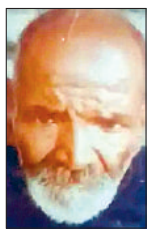

हांसी। बरवाला बाइपास स्थित शिव शक्ति अनाथ आश्रम में रह रहे राजली निवासी करीब 75 वर्षीय बुजुर्ग हीरालाल की शुक्रवार सुबह मृत्यु हो गई। आश्रम संचालक के अनुसार हीरालाल की बृहस्पतिवार देर रात उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर परिजन के बयान पर इत्तेफाकिया मौत मामले की कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मौत के सही कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हो सकेगी।

50 लाख की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस के हाथ खाली

हिसार। रेड स्क्वेयर मार्केट स्थित एक मॉल के सामने हवाई फायर कर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने मामले में पुलिस को अभी कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस की अलग-अलग टीमें बदमाशों के पता लगाने में जुटी है। उधर, पुलिस ने मॉल के सामने पुलिस बल की भी तैनाती कर दी है। बता दें कि शुक्रवार की देर शाम मॉल के सामने हवाई फायर कर एक युवक 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का लेटर फैंककर फरार हो गया था। घटना मॉल के आसपास लगी सीसीटीवी में कैद हो गई थी।

चालक से मारपीट कर नकदी मोबाइल व डीजल लूटा

हिसार। बरवाला चुंगी के पास चार युवकों ने कैंटर चालक से मारपीट कर 7 हजार रुपये की नकदी, फोन व 60 लीटर डीजल लूट लिया। वारदात शुक्रवार को तड़के 3 बजे हुई। इस मामले में पुलिस ने सफीदों के अजीत की शिकायत पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

सेंट्रल जेल-वन में मोबाइल बरामद, चार नामजद

हिसार। सेंट्रल जेल-वन में सुरक्षा कर्मियों ने चक्की के कूड़े के ढ़ेर और सीवर लाइन से तलाशी अभियान के दौरान 2 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने हवालाती हवालाती करसौला निवासी अरूण, समैन निवासी मनोज, सीसवाला निवासी अनूप दावा और दीपक उर्फ दीप्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। बता दें कि इससे पहले भी जेल से कई बार मोबाइल बरामद हो चुके हैं।

हिसार। अंडरपास के रास्ते पर ऊपर से आकर गिरी गाड़ी।

अंडरपास सीमेंट ब्लॉक के ऊपर से गाड़ी गिरी, चालक गंभीर

हिसार। सूर्यनगर फाटक पर निर्माणाधीन अंडरपास और ओवरब्रिज के दौरान शनिवार देर शाम को हादसा हो गया। एक गाड़ी चालक अंडरपास के सीमेंट ब्लॉक के ऊपर से गाड़ी समेत अंडरपास के रास्ते पर गिर गया। इस दौरान अंडरपास से कई वाहनों भी आवागमन कर रहे थे। अगर गाड़ी नीचे से गुजर रहे अन्यों वाहनों पर गिर जाती तो हादसा और बड़ा भी हो सकता है। इस दौरान राहगीरों ने गाड़ी चालक को गाड़ी से तुरंत बाहर निकाला और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचे क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

लुवास में उत्साह के साथ मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

हिसार। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षाविद, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. शमीम शर्मा ने विद्यार्थियों और युवाओं को /"उठो, जागो और जागरूक हो, अपनी शक्ति को समझो/" विषय पर संबोधित किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक और प्रेरणास्पद विचार साझा किए और उनके विचारों पर चर्चा की गई जिसमें लुवास के शिक्षकों और छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. पवन कुमार ने छात्रों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

हिसार। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

नाजायज शराब निकालने वालों पर बड़ी कार्रवाई

हिसार। पुलिस थाना हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो हिसार के प्रबंधक एसआई दीपक सिंगला के नेतृत्व में स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने गांव पीरावली में दबिश देते हुए पाया कि गांव पीरावली में आरोपित रंजीत सिंह उर्फ बग्गू ने अपने घर में नाजायज भट्टी चलाकर नाजायज देसी शराब निकालने का काम कर रहा था। वहां से पुलिस ने 600 लीटर कच्चा लाहन बरामद किया। इसके अलावा टीम ने दूसरे आरोपित से स्वर्ण सिंह उर्फ सेठू वासी गांव पीरावाली में दबिश दी और उसने अपने मकान में कुल 550 लीटर कच्चा लाहन तैयार किया हुआ था। दोनों आरोपितों से पुलिस ने कुल 1150 लीटर कच्चा लाहन व तैयार शुद्धा नाजायज शराब व विभाग ने वहां से मटका, पाइपें, 7 ड्रम, एक प्लास्टिक की केनी और बाल्टी बरामद की। दोनों आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

26 को फिर लगाएंगे पक्का मोर्चा

- पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति की बैठक में लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। जाट धर्मशाला में बैठक कर चर्चा करते पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

72 गांव के बकाया बीमा क्लेम को लेकर एवं गुलाबी सुंडी से कपास की फसल के नुकसान का मुआवजा लेने को की मांग को लेकर किसान 26 जनवरी से हिसार के लघु सचिवालय पर पक्का मोर्चा लगाएंगे। यह निर्णय शनिवार को जाट धर्मशाला में पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति की जिला कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला प्रधान सतीश बेनीवाल ने की तथा संचालन गोपाल ओड नंगथला ने किया। मीटिंग में संगठन के राज्य प्रधान मनदीप नथवान राज्य महासचिव संदीप सिवाच ने विशेष रूप से शिरकत की। बैठक में आए हुए जिला भर के नेतृत्वकारी कार्यकर्ताओं को संगठन के तौर तरीकों और वर्तमान राजनैतिक स्थिति के बारे में बताया।

सैलजा की कांग्रेस संदेश यात्रा को लेकर उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लाल बहादुर खोवाल।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा की प्रस्तावित कांग्रेस संदेश यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। आगामी 17 जनवरी को हिसार की नई सब्जी से शुरू होने वाली इस यात्रा के लिए जनसंपर्क अभियान जोरों पर है। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि कांग्रेस कार्य समिति की सदस्य और हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा 17 व 18 जनवरी को हिसार लोकसभा क्षेत्र में संदेश यात्रा निकालेंगी। इसके बाद भिवानी में यह यात्रा जारी रहेगी। एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि कुमारी सैलजा ने हमेशा सिद्धांतों की राजनीति की है।

जजपा के प्रदेश प्रधान सचिव ने डिप्टी सीएम का आभार जताया

डिप्टी सीएम ने दिया मेडिकल कॉलेज का तोहफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- बाबा सरसाईनाथ मेडिकल कॉलेज के निर्माण में तेजी के लिए किया जा रहा प्रयास

जननायक जनता पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने सिरसा के बाबा सरसाईनाथ सरकारी मेडिकल कॉलेज के निर्माण में तेजी लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का आभार व्यक्त किया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम के प्रयासों से सिरसा में 22 एकड़ में बनने वाले गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के निर्माण से क्षेत्र वासियों व सिरसा के साथ लगते क्षेत्र के लोगों के लिए मेडिकल सुविधा और स्वास्थ्य शिक्षा में बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज बनने के बाद यहां के लोगों को ईलाज के लिए हिसार, जयपुर, बठिंडा जैसे शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी बल्कि वहां के लोग आधुनिक और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सिरसा आएंगे। जेजेपी नेता दिग्विजय चौटाला ने कहा कि उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का प्रयास है कि जल्द ही इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू करवाया जाए, इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्त्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि आगामी 29 जनवरी को मेडिकल कॉलेज के निर्माण से जुड़े करीब 786 करोड़ रूपए के दो टेंडर फाइनल हो जाएंगे और जिसके बाद कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। दिग्विजय ने कहा कि डिप्टी सीएम ने हाल ही में चंडीगढ़ में मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च विभाग, वित्त विभाग व अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक करके मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य को निर्धारित अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

100 सीटें एमबीबीएस में दाखिले के लिए होंगी

जेजेपी प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने बताया कि सिरसा में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के सामने करीब 22 एकड़ में बनने वाले इस गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल पर करीब 1010.37 करोड़ रुपए खर्च होंगे और इसके लिए सरकार द्वारा मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में 100 सीटें एमबीबीएस दाखिले की होंगी, जिससे क्षेत्र के युवा डॉक्टर बनकर स्वास्थ्य सेवाएं देंगे। साथ ही विद्यार्थियों के यहां रहने के लिए एमबीबीएस विद्यार्थी और इंटर्न के लिए अलग-अलग हॉस्टल बनाए जाएंगे। इतना ही नहीं छात्राओं के रहने के लिए आवास बनाए जाएंगे ताकि छात्राओं को रहने में कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि सरकार ने 600 विद्यार्थियों और इंटर्न्स के रहने के लिए आवास बनाने की योजना तैयार की है।

खबर संक्षेप

क्रिकेटर गौतम गंभीर आज सिरसा में

सिरसा। जिलाभर में जारी जननायक चौधरी देवीलाल ग्रामीण कोस्को बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबलों के लिए 14 व 15 जनवरी को होने वाले ग्रांड फिनाले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर गौतम गंभीर क्रिकेटर्स का आकर्षण होंगे। युवा जेजेपी के प्रवक्ता नितिन टांडी ने बताया कि ग्रांड फिनाले की कड़ी में 14 जनवरी को सुबह 11 बजे चौधरी साहबराम स्टेडियम में होने वाले मुकाबलों में मुख्यातिथि गौतम गंभीर होंगे। उनके साथ जेजेपी के प्रदेशाध्यक्ष निशान सिंह व प्रदेश के श्रमराज्य मंत्री अनूप धानक भी होंगे।

एसोसिएशन ने की डीईओ से शिष्टाचार भेंट

सिरसा। खंड सिरसा की प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी ज्ञान सिंह से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने नवनियुक्त डीईओ का स्वागत किया। इस अवसर पर गणतंत्र दिवस की तैयारी के बारे में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। शिष्टमंडल ने जिला शिक्षा अधिकारी को प्राईवेट स्कूलों के संचालन में आ रही कठिनाइयों से अवगत करवाया, जिसपर जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई में आ रही समस्याओं को सुलझाना ही उनका प्रथम कर्तव्य है। इस अवसर पर बलदेव सहगल अध्यक्ष प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, रोशनलाल अरोड़ा सचिव, छगन सेठी कोषाध्यक्ष, राजकुमार अरोड़ा उपाध्यक्ष, जगदीश अरोड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राम सिंह यादव, जिला अध्यक्ष, भारत भूषण धायल व अन्य मौजूद रहे।

जेएनवी में प्रवेश परीक्षा 20 को, तैयारियां पूरी

फतेहाबाद। नवोदय विद्यालय समिति के तत्वावधान में जिला फतेहाबाद के गांव खारा खेड़ी में स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-2025 में कक्षा छठी में दाखिले के लिए 20 जनवरी को सुबह 11.30 बजे से 1.30 बजे तक जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा आयोजित करवाई जाएगी। उपायुक्त एवं जवाहर नवोदय विद्यालय खारा खेड़ी के अध्यक्ष अजय सिंह तोमर ने बताया कि जेएनवीएसटी-2024 परीक्षा के लिए जिला में दस परीक्षा केंद्र बनाए गए है जिन पर 2787 विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

पुलिस ने पिछले 12 दिनों में पकड़े 14 हथियार

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस जिला भर में अवैध हथियार रखने वालों पर लगातार छापेमारी कार्यवाही कर रही है। पुलिस हर रोज नाजायज हथियार रखने वालों की धरपकड़ कर उनसे नाजायज हथियार बरामद कर रही है। जिला पुलिस इस वर्ष बीते 12 दिनों में 14 नाजायज पिस्तोल व 9 कारतूस बरामद कर चुकी है। इन मामलों में 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसी कड़ी में कल सीआईए फतेहाबाद पुलिस ने गांव ढ़ाबी खुर्द के पास से एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से 1 नाजायज पिस्तोल 315 बोर व 1 जिंदा कारतूस बरामद किया है। अवैध हथियार रखने के आरोप मे पकड़े गए आरोपी ने अपना रोहताश कुमार उर्फ उझ्ता निवासी जांडवाला बागड़ के तौर पर बताई है।

शर्मा ने शहर की स्वच्छता पर रोष जताया

सिरसा। शहर को पैरिस बनाने की बातें करने वालों ने इसको नरक बनाकर छोड़ दिया है। स्वच्छता में शहर की रैकिंग 254 से 269 हो गई है। रैकिंग का 15 प्वाइंट गिरना विधायक की नाकामी का जीता जाता सबूत है। स्थानीय विधायक गोपाल कांडा पर तीखा हमला करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। शर्मा ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि चुनावी प्रचार अभियान में पोल खोली जाएगी।

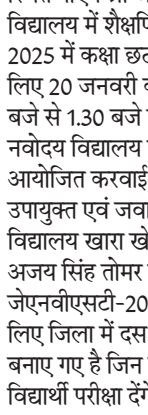

सांसद सुनीता दुग्गल ने लोहड़ी मिलन समारोह में की शिरकत

लोकसभा व विधानसभा चुनावों में रिकार्ड जीत दर्ज करेगी भाजपा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद सुनीता दुग्गल शनिवार को फतेहाबाद जिले के विभिन्न गांवों में आयोजित लोहड़ी मिलन समारोह व अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने पहुंची। सर्वप्रथम गांव दरियापुर में पूर्व सरपंच स. जनरैल सिंह के निवास पर श्री अखण्ड साहिब जी पाठ के भोग में सांसद सुनीता दुग्गल ने शिरकत की। इसके बाद दरियापुर के पंचायत घर में आयोजित लोहड़ी मिलन समारोह में पहुंचकर सांसद सुनीता दुग्गल ने गांवासियों के साथ खुशियां सांझी की। इसके बाद सांसद सुनीता दुग्गल रतिया हलके के गांव रजांबाद में सरपंच गुरपेज सिंह रंधावा के निवास पर आयोजित लोहड़ी मिलन समारोह में शिरकत करने पहुंची। इसके अलावा गांव खुम्बर में भाजपा नेता राजू मैहता के निवास लोहड़ी मिलन समारोह, गांव लधुवास में सरपंच सुखविन्द्र सिंह द्वारा आयोजित लोहड़ी मिलन समारोह, गांव चंदोकलां में स. दरबारा सिंह के निवास पर लोहड़ी मिलन समारोह तथा टोहाना हलका के गांव कुलां में महर्षि वाल्मीकि चौपाल पर रिंकू भाटी द्वारा आयोजित लोहड़ी मिलन समारोह में सांसद सुनीता दुग्गल ने शिकरत की। गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में नागरिकों ने बुके भेंटकर सांसद सुनीता दुग्गल का स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनंदन किया। सांसद सुनीता दुग्गल ने सभी कार्यक्रमों में विधिवत रूप से लोहड़ी पूजन किया तथा सभी को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व की बधाई दी। सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि आज भाजपा सरकार में चहुंओर खुशहाली का माहौल है। सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के नारे को सार्थक करते हुए भाजपा सरकार बिना भेदभाव को प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ विकास करवा रही है। जन जन की सुविधा के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को भाजपा सरकार पर अटूट विश्वास है। यह भी तय है कि आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भाजपा की रिकॉर्ड तोड़ जीत होगी। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे और हरियाणा में भी मनोहर लाल जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश की बागडोर संभालेंगे। सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा देश का तेजी से विकास हो रहा है।

फतेहाबाद। लोहड़ी मिलन समारोह में भाग लेती सांसद सुनीता दुग्गल।

फतेहाबाद। लोहड़ी पर्व पर जरूरतमंदों को कंबल भेंट करती स्वच्छ भारत मिशन ब्रांड एंबेस्डर दीक्षा सचदेवा व जिन्दगी संस्था के पदाधिकारी।

जिन्दगी संस्था ने जरूरतमंदों को कंबल बांट मनाई लोहड़ी

फतेहाबाद। सामाजिक संस्था जिन्दगी ने लोहड़ी पर्व भी शहरी क्षेत्र में जरूरतमंदों को कंबल बांटते हुए मनाया। इस दौरान संस्था अध्यक्ष हरदीप सिंह के अलावा समाजसेवी प्रमोज बजाज, स्वच्छ भारत ब्रांड एंबेस्डर दीक्षा सचदेवा, मोटीवेशनल स्पीकर जतीन दधीच, युवा समाजसेवी साहिल गर्ग, अनिल चौधरी, आकाश मेहता, हन्नी आहुजा, लवकेश वसूजा व अमरजीत मालवान भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। गौरतलब है कि जिन्दगी संस्था ने दिसंबर के प्रथम सप्ताह से ही शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के ईंट भट्टों पर शिक्षा ज्ञान ले रहे बच्चों व असहाय लोगों को सर्द मौसम में राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नये जूते-कंबल बांटने की विशेष मुहिम चलाई हुई है। लोहड़ी पर्व पर भी जिन्दगी संस्था की टीम शहर के अंबेडकर चैक पर एकत्रित हुई।

एमएम शिक्षण महाविद्यालय में हर्ष के साथ मनाया गया लोहड़ी का त्योहार

फतेहाबाद। मनोहर मैमोरियल शिक्षण महाविद्यालय फतेहाबाद में लोहड़ी पर्व बड़े ही हषारेल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम को लेकर कॉलेज के विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों में काफी उत्साह नजर आया। उपस्थित स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने पवित्र मंत्रोच्चारण के साथ लोहड़ी दीप को प्रज्ज्वलित कर पवित्र अग्नि के समक्ष आहुति डाली। इस अवसर पर महाविद्यालय कार्यसमिति के अध्यक्ष राजीव बत्रा, जनरल सेक्रेटरी विनोद मेहता, महाविद्यालय उपाध्यक्ष संजीव बत्रा, मनोहर मेमोरियल एजुकेशन सोसाइटी के सदस्य नरेश सरदाना, अतिथि अंजू बत्रा, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जनक रानी, मनोहर मैमोरियल पीजी महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ. गुरु चरण दास, एओ एसएस मल्होत्रा एवं अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को प्रसाद वितरित किया गया।

शहीद भगत सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल नहला में धूमधाम से मनाया गया लोहड़ी का पर्व

भूना। लोहड़ी के पवित्र त्योहार पर शहीद भगत सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल नहला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रिंसिपल दीपक नारंग के नेतृत्व में स्कूल स्टाफ व एनएसएस विद्यार्थियों ने लोहड़ी जलाकर इस दिन को मनाया। लोहड़ी के महत्व एवं इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए प्रिंसिपल दीपक नारंग ने बताया कि पंजाबियों के लिए लोहड़ी उत्सव खास महत्व रखता है। जिस घर में नई शादी हुई हो या बच्चे का जन्म हुआ हो, उन्हें विशेष तौर पर लोहड़ी की बधाई दी जाती है। घर में नव वधू या बच्चे की पहली लोहड़ी का काफी महत्व होता है। इस दिन विवाहित बहन और बेटियों को घर बुलाया जाता है। ये त्योहार बहन और बेटियों की रक्षा और सम्मान के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा समिति के सचिव बंटी कटारिया, लायंस क्लब के पूर्व प्रधान अशोक कत्याल, विजय ढिल्लों, रतन बंसल, विनोद शर्मा, सोनू जागलान व अन्य मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति विश्व में सर्वश्रेष्ठ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. संजू बाला ढुल ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वश्रेठ संस्कृति है और विभिन्नता में एकता तथा अतिथि देवो भवः भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र है। युवाओं को स्वामी विवेकानंद द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहिए। वे शनिवार को विभाग के विद्यार्थियों द्वारा लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रही थी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजमेर सिंह मलिक के दिशा निर्देशन में विभाग में समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते हैं। डॉ. संजू ने कहा कि प्रत्येक पर्व का विशेष महत्व है और ये कहीं न कहीं हमें आत्ममंथन एवं परिवार व समाज के साथ जोड़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का राष्ट्र के विकास में अहम योगदान है। युवाओं से आह्वान करते हुए डॉ. संजू ने कहा कि वे स्वामी विवेकानंद व अन्य महापुरुषों की जीवनियां पढ़ें व अपने जीवन में इन महापुरुषों द्वारा प्रदान की गई अनुप्रेरणाओं पर अमल करते हुए आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि भारत अपने युवा शक्ति के बल पर विश्व गुरु बनने की और अग्रसर है।

सिरसा। सीडीएलयू में लोहड़ी पर्व मनाते हुए छात्राएं व शिक्षिकाएं।

हाईकोर्ट जस्टिस ने किया औचक निरीक्षण

- जस्टिस विनोद एस भारद्वाज ने जिला न्यायालय सिरसा का औचक निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ के जस्टिस विनोद एस भारद्वाज ने शनिवार को जिला न्यायिक परिसर का ओचक निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने रानियां में नवनिर्मित रानियां ग्राम न्यायालय का भी निरीक्षण किया और सुविधाओं का जायजा लिया। न्यायाधीश ने जिला न्यायालय में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। जस्टिस विनोद एस. भारद्वाज ने लोहड़ी व मकर सक्त्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पेड़ पौधे हमारे जीवन का आधार है, ये हमें ऑक्सीजन देते है तथा इनको लगाने के साथ-साथ इनका पालन-पोषण भी जरूरी है। मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाणी गोपाल शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रवीण कुमार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. अशोक कुमार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन किनरा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पूजा सिंगला, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी हिमांशु सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिरसा अनुराधा, न्यायिक दंडाधिकारी आशुतोष, न्यायिक दंडाधिकारी सलोनी गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

सिरसा। जिला न्यायालय परिसर में पौधारोपण करते जस्टिस विनोद एस भारद्वाज।

चौपटा से निकासी की मांग को लेकर धरना

हरिभूमि न्यूज ▸▸ चोपटा

नाथूसरी चौपटा में पानी निकासी की मांग को लेकर चौपटा के निवासियों ने अनिश्चितकालीन कालीन धरना चौथे दिन भी जारी रहा है। शनिवार को ग्राम पंचायत नाथूसरी कलां की सरपंच रीटा कासनियां, गीगोरानी के सरपंच संदीप बैनीवाल, पूर्व सरपंच मांगेराम हुड्डा जोड़किया, आम आदमी पार्टी के नेता विरकपाल शर्मा, गुरपाल सिंह पोहड़का, वजीर सिंह, मनीष अरोड़ा, राकेश वर्मा ने धरना स्थल पर पहुंच कर समर्थन दिया। धरना स्थल पर पहुंची सरपंच रीटा कासनियां ने कहा कि क्षेत्र के सभी सरपंच धरना स्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों का समर्थन देंगे। उन्होंने महिलाओं से भी धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन करने का आह्वान किया। आम आदमी पार्टी के नेता विरकपाल शर्मा ने कहा कि संतों के नेतृत्व में आम आदमी धरने पर बैठने को मजबूर है । वर्तमान में सड़क का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में साथ ही पानी निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए। चौपटा के चौधरी देवीलाल चौक पर धरनारत लोगों का कहना है कि चौपटा की मुख्य समस्याओं का कोई समाधान नहीं हो रहा है। ऐसे में पानी निकासी की समस्या को लेकर धरना शुरू किया गया है और जब तक पानी की निकासी की समस्या हल नहीं होगी धरना जारी रहेगा। अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे संत पूर्ण दास महाराज, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सतबीर सहारण, पूर्ण सरपंच रणजीत कासनियां, पूर्व ब्लाक समिति चेयरमेन विरेन्द्र सहु, अमर सिंह, जे पी कस्वां, ओम सोनी, पंच प्रेम मेहता, वेद शर्मा, मुकेश कुमार, प्रभु सोनी, कुलवंत सिंह, दलीप सोनी सहित कई लोगों ने बताया कि चौपटा में पानी निकासी की समस्या, शौचालय की समस्या सहित कई समस्याएं वर्षों से हल नहीं हो पा रही है। पानी निकासी की व्यवस्था न होने के कारण बारिश के मौसम में तो स्थिति और भी बिगड़ जाती है। कई जगह तो घुटनों तक पानी भर जाता है। गलियों में कीचड़ जमा होने जाने से दिनभर बदबू आती है व आवागमन में भी दिक्कत होती है।

सिरसा। पानी निकासी की मांग को लेकर धरने पर बैठे लोग।

शाह सतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मनाया गया लोहड़ी पर्व

सिरसा। शाह सतनाम जी कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा में शनिवार को लोहड़ी का पर्व हषारेल्लास के साथ मनाया गया। इसमें सभी स्टाफ सदस्यों और छात्र अध्यापकों ने भाग लिया। कॉलेज प्रशासिका डॉ.चरणप्रीत कौर व प्राचार्या डॉ. रजनी बाला ने संबोधित करते हुए कहा कि लोहड़ी पर्व प्रेम, प्यार और सौहार्द का प्रतीक है। यह पर्व ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। दुल्ला भट्टी की तरह हमें भी सामाजिक बुराइयों का नाश करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में अग्नि वेदी बनाकर प्रशासिका, प्राचार्या, स्टाफ सदस्यों व छात्रों ने प्रव'जलित अग्नि में काले तिल ,रेवड़ी, मूंगफली डालकर परंपरा का निर्वहन किया। सभी ने अग्नि में तिल चढ़ाकर परिक्त्रमा कर श्रद्धा भाव प्रकट किया। छात्रों ने लोहड़ी पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

ऐतिहासिक होगा इनेलो पिछड़ा वर्ग सम्मेलन

सिरसा। इनेलो पिछड़ा वर्ग सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेते पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

- इनेलो जिलाध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला ने आयोजन स्थल का दौरा किया

अनाजमंडी में कल 14 जनवरी को होने वाले इनेलो पिछड़ा वर्ग सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए इनेलो जिलाध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मवीर नैन व इनेलो पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष कुंभाराम अनाजमंडी पहुंचे।

इस दौरान उपरोक्त तमाम पदाधिकारियों ने तैयारियों के सिलसिले में आवश्यक जानकारी जुटाई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपरोक्त पदाधिकारियों ने कहा कि इनेलो ने सदैव पिछड़ा वर्ग के लोगों के हितों के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि इनेलो ने सदैव पिछड़ा वर्ग को सामाजिक व राजनीतिक ताकत दी है और इसी के चलते पिछड़ा वर्ग के लोगों को सांसद, विधायक व चेयरमैन आदि गरिमामयी पदों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि भीड़ के लिहाज से ये सम्मेलन ऐतिहासिक होगा और इसमें रिकॉर्ड संख्या में पिछड़ा वर्ग के लोगों की भागेदारी होगी। इस अवसर पर उनके साथ पार्टी के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

विधायक लक्ष्मण नापा ने लोगों को दी बधाई

सरपंच एसो. व पंचायत समिति ने मनाया पर्व

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रतिया

खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में सरपंच एसोसिएशन और पंचायत समिति की तरफ से लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक लक्ष्मण नापा ने लोहड़ी जलाकर सभी मौजूद सदस्यों और इलाकावासियों को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह लोहड़ी पर्व पंजाबी संस्कृति व हमारे देश का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो पूरे भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है और एक दूसरे को रेवड़ी, मूंगफली एवं मिठाईयां खिलाकर प्यार की सौगात दी जाती है। लोहड़ी समारोह में विधायक ने वेट लिफ्टिंग में पुरस्कार जितने वाले गांव फुलां के खिलाड़ी को सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रतिया विधानसभा क्षेत्र के 114 गावों को सफलतापूर्वक कवर किया गया और लाभार्थियों को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी व लाभ दिया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा, पंचायत समिति चेयरमैन केवल कृष्ण मेहता, नागपुर मंडल अध्यक्ष निर्मल सिंह, नपा वाइस चेयरमैन जोगिंद्र नंदा, एसएचओ सुरेंद्र कुमार, जय सिंह, सरपंच एसोसिएशन प्रधान अरविंद सिहाग, दिनेश भारती, सरपंच कशमीर चंद, पुरषोतम सिंह, नाजम सिंह व अन्य मौजूद रहे।

रतिया। बीडीपीओ कार्यालय में आयोजित लोहनी मिलन समारोह में भाग लेते विधायक।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9653530207, 9253681005

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

{ आवरण कथा / आर.सी.शर्मा }

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

{ नवगीत / शिवचरण चौहान }

धूप आई, जान आई

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), लेखक:अनुराग वत्स, मूल्य: 150 रुपए, प्रकाशक: रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

{ कहानी / शीला श्रीवास्तव }

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

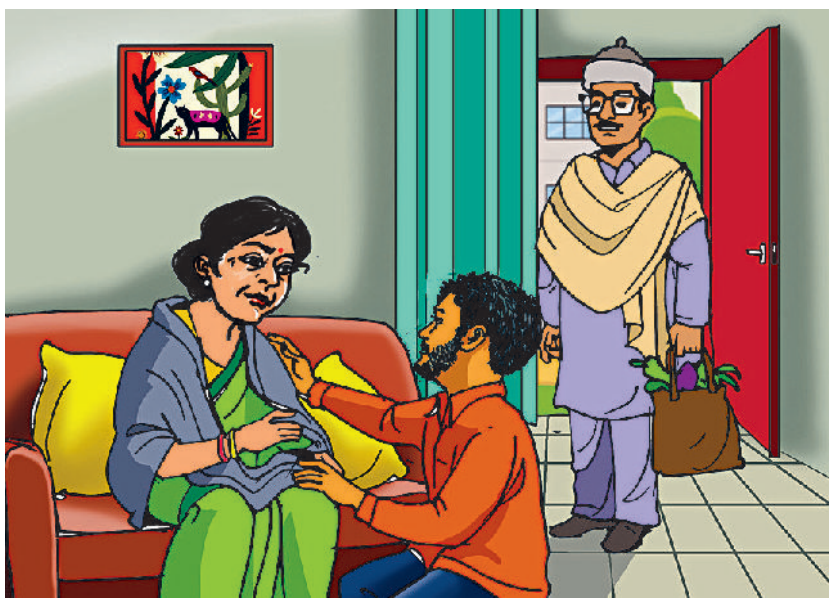

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

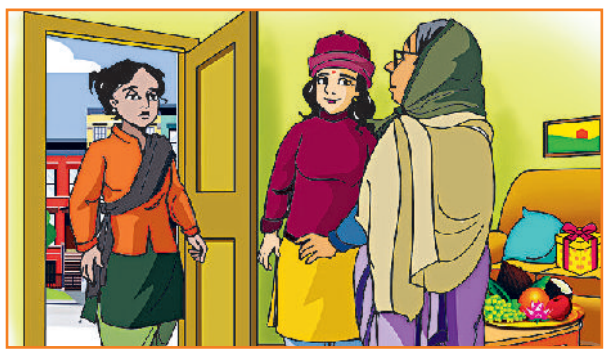

{ लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा }

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

मशहूर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सधती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पार्ट्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएं, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस्ड रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेडी कर सकें, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका

अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*

समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ टूरिस्ट स्पॉट / देवेंद्रराज सुथार }

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थितिः कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहासः ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रणः आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सवः हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पात्रों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोरडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200 कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रणः भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती हैं। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती हैं। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

{ जानकारी / वीना गौतम }

बादाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑल्मंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांग्ला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्हीं में फल बनता है।

अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादनः जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है।

भारत में बादाम की खेतीः भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में होता है।

बढ़ रही बादाम की मांगः आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है।

कमाई का बेहतरीन विकल्पः अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

विशेषः मकर संक्रांति

{ सिने-जगत / अशोक जोशी }

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्में और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पर्दे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें

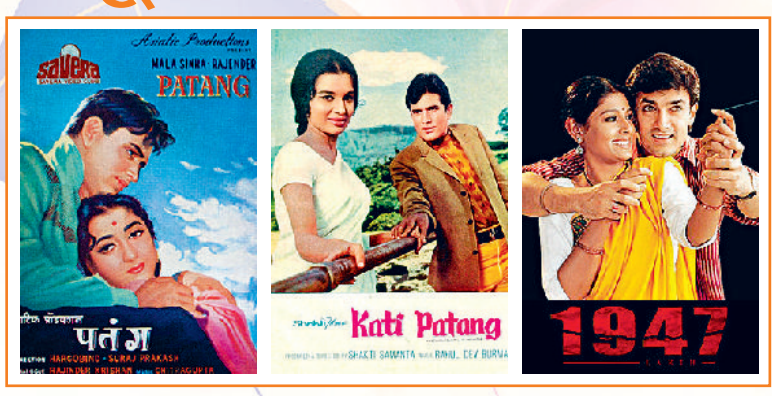

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पर्दे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदले हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पर्दे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान

उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकरार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी(जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुल्तान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लगी' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाते समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है।

नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाया गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झूमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जज्बे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अकसर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आमिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत

फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया..' का एक सीन

'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अठखेलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

जिन फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*

{ सोशल इश्यू / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' }

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-दमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है।

विज्ञापनों की बड़ी भूमिकाः सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चंगुल में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं।

मीडिया की सुनियोजित प्लानिंगः बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है, जबकि औसत हिंदुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। लेकिन मासूम बच्चे यह अंतर नहीं समझ पाते हैं। वह टीवी वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है।

इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों से ही एक्टिंग करवाई जाती है। विज्ञापन का बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इंपैक्ट ऑफ टीवी एडवरटाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

हम सभी बनें सजगः आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंता जताने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*